सत्रीय कार्य पुस्तिका

(जुलाई, 2011 सत्र d: लिए)

जैविक खेती में सर्टिफिकेट
(सी ओ एफ)

शैक्षणिक वर्ष 2011 के लिए सत्रीय कार्य

fVli.kh% विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य /प्रश्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंश और उपअंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर अध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068
2011

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण परीक्षा के लिए 80% महत्व सैद्धान्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपे हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल 4 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अकों का होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना निम्न आरुप में दे।

नामांकन संख्या.....

नाम.....

पता .....

.....

.....

पाठ्यक्रम नियमावली.....

पाठ्यक्रम शीर्षक.....

अध्ययन केंद्र..... दिनांक.....

(नाम तथा नामावली)

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृप्या दिये गये आरुप का सख्ती से पालन करें।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें।
3. अपनी अभ्यासपुस्तिका के शीर्ष, तले तथा बायीं ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़े।
4. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।

सत्रीय कार्य संख्या	**जमा करने की तारीख** (Tkykb] **2011 के लिए**)
सत्रीय कार्य 1 (BAP- 001)	31 अगस्त से पहले
सत्रीय कार्य 2 (BAPI-001)	15 सितम्बर से पहले
सत्रीय कार्य 3 (BAPI-002)	30 सितंबर से पहले
सत्रीय कार्य 4 (BAPI-003)	15 अक्टूबर से पहले

5. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजें।
6. हम बलपूवर्क सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति सुरक्षित रखें।

शुभकामनाओं सहति।

पाठ्यक्रम कोड : BAP – 001
सत्रीय कार्य – 1

अधिकतम अंक – 50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) क) मिश्रित खेती क्या है? इसे जैविक खेती में क्यो सस्तुंत किया जाता है। 5
   ख) एन.पी.ओ.पी. में निहित जैविक उत्पादन के राष्ट्रीय मानकों की व्याख्या करें। 5
2) क) जैविक खेती में अनुवांशिक परिवर्तित (GM) फसल बीज की सस्तुत नही की जाती है, क्यों? आप अपने विचार प्रकट करें। 5
   ख) जैविक उत्पादन के पारिस्थिकी सिद्धान्तों का वर्णन करें। 5
3) क) विश्व में जैविक खेती की वर्तमान स्थिति क्या है? हमारे देश में जैविक खेती की सभांवना के बारे में अपने विचार प्रकट करें। 5
   ख) विश्व में जैविक खेती के इतिहास की व्याख्या करें। आप जैविक खेती की विशिष्ट उप्लब्धियों का भी उल्लेख करें। 5
4) क) परमाकल्चर तथा प्राकृतिक खेती के दृष्टिकोण की व्याख्या करें। 5
   ख) बायोडायनामिक खेती क्या है? उचित उदाहरण की सहायता से व्याख्या करें। यह जैविक खेती से कितनी नजदीक है। 5
5) मृदा उर्वरता, खाद्य सुरक्षा एवं उत्पादकता के सापेक्ष में जैविक खेती के लाभों का वर्णन करें। 10

पाठ्यक्रम कोड : BAPI – 001
सत्रीय कार्य – 2

अधिकतम अंक – 50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) क) 'जैविक खेती के तहत फसलें कीड़ों मकोड़ों से ज्यादा प्रभावित होती हैं' इस कथन का उचित उदाहरणों के साथ विस्तृत चर्चा करें। 7
   ख) जैविक खेती के तहत कीड़ों एवं बीमारियों के लिए की जाने वाली कल्चरल (cultural) एवं यान्त्रिक विधियों का वर्णन करें। 3
2) जैविक खेती के लिए बीज एक महत्वपूर्ण अवयव हैं' इस कथन का उचित उदाहरण के साथ विस्तार से चर्चा करें। बीज अकुरंण एवं इसके प्रकार का सक्षिंप्त रुप से भी वर्णन करें। 10
3) क) मृदा में पानी के कार्यों का उचित उदाहरणों के साथ चर्चा करें । 3
   ख) सिंचाई का अनूसूचिकरण क्या हैं? फसलों में सिचाई का अनुसूचिकरण के लिए किये जाने वाले तरीकों का वर्णन करें। 7
4) सदुषंण रोकथाम क्या हैं? जैविक खेती में यह क्यों महत्वपूर्ण हैं, उचित उदाहरण की सहायता से इसकी व्याख्या करें। 10
5) क) फसल चक्र क्या हैं? इसके सिद्धातों एवं लाभों की व्याख्या करें। 5
   ख) कम्पोस्ट एवं कम्पोस्टिंग को परिभाषित करें। उचित चित्रों के साथ कम्पोस्ट बनने की प्रक्रिया का विवरण दें। 5

पाठ्यक्रम कोड : BAPI – 002

सत्रीय कार्य – 3

अधिकतम अंक – 50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) एन. पी. ओ. पी. में दर्शित भारत का जैविक चिन्ह का क्या महत्व है ? इसके मुख्य लक्षण कौन–2 से हैं ? यह जैविक व्यावसाय में कैसे सहायक है ? आप अपने शब्दों में चर्चा करें । 10

2) क) प्रमाणिक प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पायदान क्या हैं? सभी की विस्तार से विवेचना कीजिए। 5

   ख) "जैविक खेती में महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सहेजना एक आवश्यक प्रक्रिया हैं"। इस वाक्य का विस्तार से वर्णन करें। 5

3) क) प्रमाणीकरण संस्थाओं की गुणवत्ता को कैसे बनाये रखा जा सकता हैं? विस्तार से व्याख्या करें। 5

   ख) प्रमाणीकरण संस्थाओं के द्वारा जोखिम निर्धारण के क्रान्तिक नियोजन बिन्दू की व्याख्या करें। 5

4) क) अतिरिक निरिक्षण के लिए एन.पी.ओ.पी. में निहित निर्देशों की व्याख्या करें। आन्तरिक नियोजन प्रणाली (ICS) के लिए बाहरी निरिक्षण की भी विस्तार से चर्चा करें। 5

   ख) एक जैविक प्रक्षेत्र पर आन्तरिक नियोजन प्रणाली (ICS) को लागू करने के मुख्य बिन्दुओं की व्याख्या करें। 2

   ग) जैविक खेती के प्रमाणीकरण की वर्तमान स्थिति क्या हैं? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें एवं हमारे देश की मान्यता प्राप्त प्रमाणीकरण सस्थाओं की भी विस्तृत जानकारी दें। 3

5) क) जैविक खेती में ओ.सी.सी.पी. (OCCP) का क्या अर्थ है ? प्रसंस्करण के लिए निहित ओ.सी.सी.पी. की व्याख्या करें। यह खाद्य सुरक्षा कैसे बनाये रखती हैं? 5

   ख) समूह प्रमाणीकरण किसे कहते हैं? एन. पी. ओ. पी. के मानदण्डों के अनुसार उगाने वालों के समूह का गठन कैसे किया जाता हैं। 5

पाठ्यक्रम कोड : BAPI – 003

सत्रीय कार्य – 4

अधिकतम अंक – 50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) क) "जैविक उत्पादन लाभप्रद हैं" ऐसा कहा जाता हैं। उचित उदाहरण के साथ इस कथन पर आप अपने मतंव्य दें। 5

   ख) "परिर्वतन के समय आर्थिक व्यवहार्यता निर्धारित करना कठिन हैं" भारतीय किसानों द्वारा जैविक खेती के अगींकरण के बारे में आप अपने विचार प्रकट करें। 5

2) क) आप के हिसाब से बाजार क्या हैं? विभिन्न प्रकार के बाजारों की विस्तृत वर्गीकरण दें। 5

   ख) व्यावसाय में बिचौलिए का क्या कार्य होता हैं? जैविक उप्ताद में वितरण के माध्यमों के मुख्य कार्यकर्ता (player) कौन–कौन से होते हैं? 5

3) क) हमारे देश में जैविक उप्ताद में बाजारों का कम विकसित होने के प्रमुख कारणों की व्याख्या करें। इनको कैसे दूर किया जा सकता हैं? 5

   ख) उचित उदाहरण के साथ कृषि उत्पादों के विपणन के माध्यमों की विस्तर से चर्चा करें। 5

4) क) बाजार प्रकार्य (function) का क्या अर्थ होता हैं? जैविक खेती से सम्बंधित महत्वपूर्ण विपणन प्रकार्यों की व्याख्या करें। 5

   ख) खेत से एक सर्वे करने वाला आँकड़े कैसे इक्कटठा करता हैं? इसकी विस्तार से चर्चा करें। 5

5) क) जैविक व्यवसाय में गौण आकड़ों के प्रयोग का क्या विषय क्षेत्र हैं? उचित उदाहरणों के साथ चर्चा करें। 5

   ख) जैविक फलों एवं सब्जियों के पूर्ति कड़ी (supply chain) की व्याख्या करें। 5